राज्यपाल का एआई चैटबॉट हुआ लॉन्च

राजभवन में हुई कार्यशाला में एआई, मेटावर्स व क्वांटम कंप्यूटरिंग पर चर्चा

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने राजभवन की डिजिटल पहल एआई चैटबॉट स्पीच टू टेक्स्ट और टेक्स्ट टू स्पीच को लॉन्च किया। तकनीकी विवि की ओर से तैयार किए इस चैटबॉट में राज्यपाल के भाषण की वीडियो को टेक्स्ट और टेक्स्ट को वीडियो रूप में परिवर्तित किया जा सकेगा।

सोमवार को राजभवन में वीर माधो सिंह भंडारी तकनीकी विवि के तत्वावधान, यूपीईएस व क्वांटम विवि के सहयोग से एआई, मेटावर्स और क्वांटम कंप्यूटिंग के साथ कल का निर्माण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा, आने वाला समय एआई, मेटावर्स और क्वांटम कंप्यूटिंग का है। कहा, बदलते

कार्यशाला में मौजूद राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि)। -सूचना विभाग

विश्व के केंद्र में एआई ऐसी ताकत है, जो उद्योगों, समाज और हमारे अस्तित्व के मूल ढांचे को नया आकार दे रही है।

उन्होंने छात्र-छात्राओं से कहा, एआई, मेटावर्स व क्वांटम कंप्यूटिंग का भविष्य आप सभी के हाथों में है। कहा, भारत अपनी युवा और तकनीक-प्रेमी आबादी के साथ एआई में वैश्विक नेतृत्व करने के लिए अच्छी स्थिति में है। राज्यपाल ने एआई चैटबॉट तैयार करने वाले इंजीनियरिंग कॉलेज द्वाराहाट अल्मोड़ा के प्रो. विशाल कुमार और छात्र मयंक बिष्ट, दीपक सिंह व शुभम को प्रशंसापत्र भी दिए। तकनीकी विवि के डॉ. विशाल कुमार और डॉ. अजित सिंह ने एआई पर प्रस्तुतीकरण देते हुए कहा, इसमें मानव प्रगति की अकल्पनीय ऊंचाइयों को छूने की क्षमता है। यूपीईएस के डॉ. विजय शेखर और पंकज बडोनी ने मेटावर्स के बारे में बताया। क्वांटम यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. विवेक कुमार और डॉ. अमृता कुमारी ने कहा, क्वांटम कंप्यूटिंग कोई दूर का विषय नहीं है, यह एक वास्तविकता है जो हमारे सामने खुल रही है।

इस दौरान विधिक परामर्शी राज्यपाल अमित सिरोही, अपर सचिव स्वाति एस भदौरिया, तकनीकी विवि कुलपति प्रो. ओंकार सिंह, दून विवि कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल, श्रीदेव सुमन विवि कुलपति प्रो. एनके जोशी, एचएनबी मेडिकल विवि कुलपति प्रो. एमएलबी भट्ट, आयुर्वेद विवि कुलपति डॉ. अरुण त्रिपाठी व संस्कत विवि कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री मौजूद रहे। ब्यूरो